

गुरु चरण ध्यावें (१५३)

गुरु पूर्णिमा दिवस आज मिलके मनाएं
प्रेम में विभोर हो कर नाचें ओ गाएं॥

सत्गुरु महिमा है सब से न्यारी
राम कृष्ण ने भी गुरु सेवा धारी
शेष सनकादि गुरु चरण ध्यायें॥

सतिगुरु कृपा है सूर्य उज्यारा
मिटे अज्ञान तम का अंधियारा
भटिके हुए जीवों को राह दिखावें॥

ज्ञान भक्ति का सतिगुरु है दाता
प्रणत पाल ओ जन पितु माता
मन के मंदिर मांहि प्रभू रूप लखाएं॥

सतिगुरु रूप में स्वामी बिराजे
कथा सतिसंग पै वैकुण्ठ हू लाजे
धाम छोड़ हरी आप सुनने आवें॥

जुग जीओ श्री सतिगुरु प्यारा
भव सिंधु से तारण हारा
सतिगुरु की जै जै की धुनी लगावें॥

साईं मैया भी नित जस गावैं
निज सति संग में लाड़ लड़ावैं
सन्त शिरोमणि कह के स्वामी साराहैं॥